'यंग इंडिया'

एप्रील १९३८

ग्रीष्म रिलीझ

GRISHMA RELEASE

मीस अनवरी

हिन्दुस्तानी और उर्दू गायनोकी रेकार्डझ.

The National Gramophone Record Mfg. Co. Ltd.
110 Medows Street, Fort, BOMBAY.

'यंग इन्डीया' रेकॉर्डका

पं. जवाहरलालका संदेश.

टी. एम. ८३०७ (इंग्लीश)	किं. रु. २)
टी. एम. ८३३३ (हींदी)	किं. रु. २)

रेकॉर्डका सुचिपत्रक.

डी. ए. १०"	ब्लु लेबल	रु.	१—८—०
एम एम. १०"	चॉकलेट लेबल	रू.	१—१२—०
टी. एम. १०"	ग्रीन लेबल	रु.	२—०—०
एस. एम. १०"	रेड लेबल	रू.	२—८—०
प्रभात फिल्म	स्पेशीयल लेबल	रु.	२—४—०
जयश्री फिल्म	स्पेशीयल लेबल	रु.	२—४—०

सचित्र मुफत कॅटलॉग के लीये हमारे ऑथराईज्ड डिलर्सको मीलो और लीखोः—
धी नॅशनल ग्रामोफोन रेकॉर्ड मेन्युफेकचरींग कंपनी, लीमीटेड.
११० मेडोज स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई.

Records Price-List.

D A	Blue Label...	Rs.	1	8	0
M M	Chocolate Label	Rs.	1	12	0
T M	Green Label	Rs.	2	0	0
S M	Red Label...	Rs.	2	8	0
Prabhat Film Special Label		Rs.	2	4	0
Jayshri Film Special Label		Rs.	2	4	0

For particulars and free catalogues please see our authorised dealers or write to:—
THE NATIONAL GRAMOPHONE RECORD Mfg. Co., Ltd.
110, Medows Street, Bombay, 1.

ग्रीष्म एप्रील

रीलीझ १९३८

हिन्दुस्तानी और उर्दु गायनोकी रेकोर्डझ

HINDUSTANI RECORDS हिन्दुस्तानी रेकोर्डझ

Blue Label Rs. 1-8-0 ब्लुलेबल रू. १-८-०

Vatsalabai Kumthekar and Manohar Kapur.
वत्सलाबाई कुमठेकर और मनोहर कपुर

DA 5367 / डी ए ५३६७
- प्रेम नगर न जाना... ... ड्युएट
- मनोहरकपुर
- एक पुजारी एक पुजारण ...

वत्सलाबाई कुमठेकर

मनोहर कपुर

पंजाबका खानदानघरानेका सुशिक्षीत युवान और ओल इन्डीया रेडीओ स्टार **मनोहरकपुर** और मशहुर ओल ईन्डीया रेडीओ स्टार **वत्सलाबाई कुमठेकर** का सहकारसे अपना मोहक और हृदय स्पर्शी आवाजसे यंगइन्डीया रेकोंर्डझमें रजु कीया हुवा ड्युएट जनताको ईतना पसंद आयाहैके यह दो कलाकारका ड्युएट सुननेके लीये हरवख्त इंतेजार रहेती है. अपना रजु कीया हुवा ड्युऐट द्वारा लोकप्रिय बनगये हुवे यह दोनो कलाकार अपना संगीत प्रियोका हृदय गुदगुदानेके लीये यह रेकर्डपे "प्रेम नगर न जाना" ड्युऐट इतनी मोहक और दिलचस्प गुदगुदाती मधुर तर्जमें रजु करताहै के यह रेकर्ड सुननेवाले हरकोई शख्सको **वत्सलाबाई** कुमठेकर और **मनोहर कपुर** का मीठा और मोहक ढंगसे रजु कीया हुवा यह ड्युएट पहीले रजु कीयेगीये ड्युएट **"हमपे दया करो भगवान" "तुम्हीने मुजको प्रेम सीखाया"** और **"श्याम मुरारि कुंजविहारि"** ड्युएट जयसा मुग्ध बनाकर **वत्सलाबाई कुमठेकर** और **मनोहर** कपुरका संगीतकी तारीफ करनेकी अवश्य फर्ज पाडेंगे. दुसरी तरफ रजु कीया हुआ **मनोहर** कपुरका सोलो भी ईतनाही दर्दमंद है के यह रेकर्डका संगीत खुदही आपके खरीदने की फर्ज पाडेंगे ऊसी लीये शीघ्र ही खरीद करके सुनो.

एक तरफः—

प्रेम नगर न जाना पगले प्रेम नगर न जाना
रोयेगा दुःखीया जीवनपर जल जायेगा जलते इंधनपर
पत्थर रख संतोषका मनपर होगा फेर पछताना

प्रेम नगरकी फुलवारी में कांटे उगत हे इस कयारी में
क्रोध हे इस के नरनारी में दुःखहे ईसकाताना
मत इस पीछे रोना होगा प्रेममें बावरा होना होगा
जीवन रोरो खोना होगा मीलेगा नही ठीकाना

दुसरि तरफः—

एक पुजारी ऐक पुजारन इक जंगलमें रहेतेथे
कहेनेवाले ऊन दोनोको पागल प्रेमी कहेतेथे
एक रातको तीन बजेमें छोडके अपनां गांऊ
चुपके चुपके पहोंचा वहां पर छु लीये उनके पांउं
कहा सुनाओ अब तुम हमको प्रेमकी बीती बात
बनी चलीहे रात हमारी बीत चलीहे रात
ये सुनकर उन दोनोने फीर ग्यानकी गीता खोली
प्रेम शीखा तो हो गया चुपका वो कन्या युं बोली
क्रोध भरी दुनीया में साजन कोन कीसकी सुनताहे
कहेनेवाला केह देताहे आखर सबको धुनताहे
एक समय में जमना घाटसे पाणी भर कर लाइथी
ब्रह्मदेवने मेरे जलसे अपनी प्यास बुझाइथी
कहेती रही में नीच पुजारन मत पीयों मुजसे पानी
ऊनका पानी पी लेनाही बनगई ये कहानी
उस दीनसे ऊस गांवकी बासी हमको पगले कहेतेहे
उन पगलों के देशको तज कर अब हम बनमें रहेतेहे
अंधी दुनीया ये न जाने प्रेम देव हे अंधा
वली तबीतो जगको तजकर हय जब प्रेमका बंदा

DA 5332 { हमपे दया करो भगवान ... ...डयुऐट
डी ए ५३३२ { जगकी हरसे आनि जानी ... ... „

DA 5340 { तुम्हीने मुजको प्रेम सीखाया ... ...डयुऐट
मनोहर कपुर
डी ए ५३४० { वो हसीं जीसका के कींस्सा ... ...गझल

D. A 5365 { श्याम मुरारी कुंज विहारी ...... डयुएट
मनोहर कपुर
डी. ए. ५३६५ { सुनो सुनो हे कृष्ण काळे ... ... भजन

Vilayat Begum. विलायत बेगम.

DA 5369 { जावोजी जावोजी में नाहीं खेलुं होरी
डी ए ५३६९ { ले गये हे यार नीराळे

विलायत बेगम.

विलायतबेगमका रेडोयो द्वारा संगीत सुननेवाले उस्के संगीत प्रशंसक **विलायत बेगम** की बहार आ हुई रेकोर्ड सुनके उस्की संगीत कलाकी प्रशंसा करचुका है वोही **विलायत बेगम** की लोकप्रियता है. **विलायत बेगम** के गले में दर्द और मधुरता है वोही उस्का अनोखा आकर्षण है. यह रेकार्ड का गाने की मधुर, मोहक और दिल को गुदगुदाती हुई तर्ज मशहुर संगीतकार **खां. सा. झंडेखांने बनाई हुई है** वो यह रेकोर्डकी और विशीष्ठता है. विलायत बेगम यह रेकार्ड द्वारा अपनी संगीत कला इतना आकर्षक और अनोखा ढंगसे रजु करती है के, हरएक संगीत शोखीनको यह रेकार्डका मधुर संगीत और रसीली और मोहक तर्जे खरीदनेकी फर्ज पाडेगी.

एक तरफः—

जावोजी जावोजी में नाही खेलुं होरी
बरजोरी कैसी राम
कुंवर शाम मगमें थाम झटकपट मटकी फोरी
जावोजी जावोजी में नाही खेलुं होरी
तुमजो रहत सोतनसे दुस्तर
बार बार करी नी हमसे छेरछार
चलोजी चलोजी करुं न तुमसे प्यार
मटकी फोरी बैंयां मरोरी चुंदरी मोरी रंगमें बोरी
जावोजी जावोजी में नाही खेलुं होरी

दुसरी तरफः—

ले गये है यार निराळे हाय मेरा दिल हाय मेरा दिल
छा गया दीलपर वादळ काले हाय मेरा दिल (२)
कलीयां के भौरा रस ले गए
आप तो ऊड गये हमको दे गए
अहो फुंगा ओर नीले—हाय मेरा दिल (२)
पेंचो में झुलफों के ले गए बंदिवान बनाके
गैसु कुन्डलवाले हाय मेरा दिल

तीर नजर का मारा उसने कर दिया पारा पारा उसने
बे दरदी के पीले हाय मेरा दिल (२)

Master Mahadeorao Walavalker

श्री महादेवराव वालावलकर

DA 5371 डी ए ५३७१	मीलकर जानारे... कुरबान जान सुरतपे...	भजन "

सुप्रसिध्ध गंधर्व नाटक मंडलीका

मुख्य नट श्री. महादेवराव वालावलकरका अवाज अतिशय मधुर और हृदय हारक है. ईसी लीये वो अपना संगीत सुनने वाले शख्सको मुग्ध बना देतेहै. श्री महादेवराव वालावलकर येह पहेले अनेक भजन और गाना रजु कर चुकाहै और यह पहेले रजु कीया गया "गाडीवाला वालावलकर धीरे गाडी हांक" भजन अच्छा लोक प्रिय हो चुकाहै. यह रेकॉर्ड ध्वारा "**मीलकर जानारे**" और "**कुर्बान जान सुरतपे**" भजन हींदी भाषामें लेकर आ पहुंचा है. श्री महादेवरावका संगीतमें ये कला हैंके वोह हरकोई शख्सको मुग्ध बना देते है वोही उसका संगीतका खास आकर्षणहै.

एक तरफः—

मीलकर जानारे गुमानी, तेरी सावरी सुरत देख लुभानी ॥ ध्रु ॥
जबलग टेर सुनी बंशीकी भूल गई अनपानी
एक कहो कोई लाख कहो लगी प्रीत नही छानी ॥ १ ॥
जो तुम मेरा घर नही जानो घरहे गोकुळ ठानी
सुरज शाम पहेर हमारो मानीक चौक नीशानी ॥ २ ॥
जो तुम मेरा नाम नही जानो मेरा नाम दिवानी
ऐक दीन डेरे आवो हमारे खुब करुं मीजबानी ॥ ३ ॥
सब सखीयन मील पंथ नीहारो उनमे राधारानी
सुरदास प्रभु दर्शन दीनो नहीं तजुं जिंदगानी ॥ ४ ॥ मीलकर

दुसरी तरफः—

कुर्बान जान सुरतपे कीया करतेहे
हम तुम्हे देख नंदलाल व्रजराज जीया करते है ॥ ध्रु ॥
गजराज मस्त जीस तरह चुवा करते हे
दिन रैन हमारे नैन वहा करते हे ॥ २ ॥
यौ प्रीती बेलको पानी दीया करते हे
कब फुलेगी यह बाट तका करते हे ॥ ३ ॥
कोई पुछे के बळवंत कया कीया करते हे
आगेकी मंजल सफा कीया करते हे ॥ ४ ॥ कुर्बान

मीस अनवरी (कानपुर) Miss Anvari (Cawnpore)

DA 5375 { बीन्द्रारे बनकी कुंज गलीनमें
डी ए ५३७५ { बंसीवालेसे लागी नजरीयां

मीस अनवरी

कानपुरकी मशहुर गानेवाली मीस अनवरी अपना मोहक और मधुर अवाजसे यह रेकर्डपे "बीन्द्रारेबनकी कुंजगलीनमें" और "बंसी-वालेसे लागी नजरीयां" इतना दीलचस्प ढंगसे रजु करतीहै के मीस **अनवरीका** मंजुल स्वरसे रजु कीया गया हुवा यह गाना की रेकर्ड सुनके आपको वो खरीदने की अवश्य फर्ज पडेंगे.

एक तरफः—

बीन्द्रारे बनकी कुंज गलीनमें रोकत मोरी डगरीयां हायराम
न अैसे जुबना न अैसी सुरतीयां न अैसा पहेना गहेनवा राम–बीन्द्रा
पीत तो वासे कीजीये के जासे मनपतीआऐ
जनेजनेकी प्रीतमें जनम अकारन जाऐ
राधा देखे क्रीश्नको क्रीश्न राधाकी ओर
कहेता कहुंमें चंद्रमा कहेता कहुं चकोर–बीन्द्रा
तुमरे कारन ओ पीया तो कोटी न सहे कलेश
देश देश में फीरी लेकर जोगनका वेश

वो कनैया बेवफा तुजमें कदरनाही
कोण ब्रीजकी नारी फुरकतमें दीवानी नही

दुसरी तरफः—

बंसीवालेसे लागी नजरीयां मोरी
ईतसे हमजात हती उतसे आवत श्याम बजावत बीना
आन अचानक भेट भई हम अकयी उन घुंघट छीना
प्रेम भये लीपटाये लीयो चुलीया बीच टपटप चुवतपशीना
गाज पडे अैसी लाज के उपर भर अखीयन शामको देखन लीना
आवन शाम कहीं परसों धोकेतक दुर हती परसों
परसों न कटे परसों न बढे परसोंकी जुग बीत गई बरसों
सखी सावनकी अंधियारी घटामें अकेली सेज पडी तडपुं
चीत चाहत हे उड जाय मीलुं उडा जात नही बीना परसुं —बंसीवाले

URDU RECORDS　　　　ऊर्दु रेकर्डझ

Blue Lbel Rs. 1-8-0　　　　ब्लु लेबल की १-८-०

Manohar Kapur　　　　मनोहर कपुर

DA 5368 { पहेलुमें ऐक हजुमें तमन्ना... गझल
डी ए ५३६८ { दो फुलोंका गुलदस्ता ... ,,

मां. मनोहर कपुर.

मशहुर ओल ईन्डीया रेडीयो स्टार मनोहर कपुर यह पहीले "ईश्क मुजको न रही वहेशत ही सही" और "सब कहा कुछ लाल ओ" गझल रजु करके अपनी संगीत कलासे संगीतप्रेमीयोंका दीलमें अच्छा स्थान जमागया है वोही उस्की संगीत कला की काबेलीयत पुरवार करता है. मनोहर कपुर यह रेकर्डपे "**पहेलुमें एक हजु में तमन्ना**" और "**दो फुलोंका गुलदस्ता**" गझल लेकर अपनी मोहक और मधुर पद्धतीसे अपना संगीत प्रेमीका दिल बहेलानेके लीये आगया हैं संभव है के मनोहर कपुरकी यह रेकर्ड सुनके आप उस्की संगीत कलाकी अवश्य प्रशंसा करेगे,

एक तरफः—

पहेलुं में ऐक हजु में तमन्ना लीये हुवे
दुनीयासे जा रहा हुं मय दुनीया लीये हुवे

अय मुस्ते खाख जप्तका दामन न छोडना
आयेगा तुर आपही ज्लवा लीये हुवे
तेरी खुदाई में मेरा कोई नही हे देख
दरीआमें फीर रहाहुं मे कुजा लीये हुवे
अब नामा बरके पाउं ना चुंमु तो कया करं
वो आ रहेहे सागरो मीना लीये हुवेहे

दुसरी तरफः—

दो फुलोंका गुल दस्ता ये आलमे फानीहे
ईक मेरा फसानाहे ईक उनकी कहानीहे
ईकान करो बेशक पयमाने ईलादे दील
जखमोको नमक दामे रखलुंगा येठानीहे
दो चीजे हेला फानी मयखाना ये हस्ती में
ईक सोजे महोबतहे ईक दावे जवानीहे
पीगली हुई जन्नतने पुरहे मेरा पयमाना
जाहीद ए समजताहे अंगुरका बानीहे

Miss Malkajan — मीस मलकाजान

DA 5374 { रबका दुलारा... — नात
डी ए ५३७४ { बांके छेला कमलीवाले... — ,,

मीस मलकाजान कानपुरकी मशहुर गानेवाली है. उस्का संगीतमें वो दर्द है के ऊस्को सुननेवाले हरकोइ शख्शपे उस्का दर्दमय संगीत जादुकी असर डालता है और बार बार वो सुननेकी तमन्ना पयदा करता है वो यह रेकर्डपे **"रबका दुलारा"** और **"बांके छेला कमलीवाले"** वो दो नात इतना दिलचश्प ढंगसे रजु करती है केवो सुननेके बाद हरकोइ शख्सको उस्का संगीतकी तारीफ करनेकी फर्ज पडती है वोही उस्की तारीफ है.

मीस मलकाजान.

एक तरफः—

रबका दुलारा बीबी आमनाकी गोदी खेले
पायो महोमद जैसे लालना हां अब खुश होले
दाई हलीमा कीस्मत जागी बढके गोदी लेले
पैदा होतेही अपने नेननसे कुछ मोती रोले
रेहमत पुकारी बक्षी ऊमर सारी मेरे भोले
छुये अबदुल्ला काली झुलफे आरीज गोरे गोरे
झुमे कुशीमें कुर ओ झुलमा दर जन्नतका खोले

दुसरी तरफः—

वांके छेला कमलीवाला अपने रबको मीलने जाये
आयो बुराक सवारीको दरपर जीन सुनेहरी सजीहे कमरपर

ऊमत जो याद आइ नबीको आंसु दीये बहाये—बांको
अकाश लोकसे कासीद आयो एहेमद प्यारा सोता पायो
मली जब तलवोंसे उनके सोता लीये जगाये
छनमें अर्श गयो ओरे आयो
बीस्तर शीरो होने न पायो
पहेले नाज दरुद नबीपर उमत लइ बक्षाय—बांके

Mr. Naz — मी नाझ

DA 5376 { अब्दुल्लाके लालना... — नात
डी ए ५३७६ { तनमन डारुंगी वार... — ,,

मी. नाझ

मी. नाझ कानपुरका एक सुशिक्षीत कलाकार है. उस्का पुरा नाम नफीझ ऐहमद है. मी. नाझ उसका उपनाम है. वो कानपुर रेडीओ स्टेशनका म्युझीक डीरेकटर है. मी. नाझ का संगीत कलापर कीतना उत्तम काबुहै वो यह रेकर्ड ध्वारा रजु कीगई ऊसकी दोनात "अबदुल्लाके लालना" और "तनमन डारुंगी वार" पुरवार करदेंगे. मी. नाझकी नातकी यह रेकोर्ड खुदही आपको उस्की संगीत कलाकी तारीफ करनेकी फर्ज पाडेंगे.
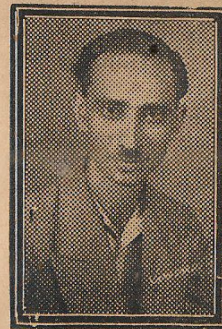
एक तरफः—

अबदुल्ला के लालना पुरे झुलाये पालना
लोरी देवे आमना कहेया हलीमा मेरे प्यारे झुलो झुलना

आज अरब में धुम मचीहे हर क्यारी यसरबकी सजी हे
ऊम्मतकी तकदीर जगी हे अहेमद कमली वाले प्यारे झुलो झुलना
मीमका परदा रुखसे हटाकर जलवये ऐहमद सबको दीखाकर
खुद अपनेको मायल पाकर बेताबी में हक ये पुकारा झुलो झुलना
नाझ जगत अब खुब सजेगा कुफ्र मीटा इस्लाम जगेगा
जयका डंका हरसु सजेगा ऊम्मत मे ये शोर मचेगा झुलो झुलना

दुसरी तरफः—

मेतो तनमन डारुंगीवार आजा आजा मोहे नेनोंमें साजना
रुमरुम में बस गयो मेहबुबे ईलाही
शेख फरीदको लाडले कलीपर जा बसाई
अली ऐहमद सागर पीया आजा आजा (कोरस)
सबको अता हो भरभर झोली नैनन नीर बहाऊं
ख्वाजा मोइनूद्दीन के प्यारे मे खाली फीर जाऊं
मेतो वारुंगी तुमपे जीया आजा आजा (कोरस)
काली काली रेन अंधेरी अगम भरी नदीयां
नाझ फसा तोफान में साबीर लंगर तुटगया
मझ धारसे लीयो बचाय. आजा आजा (कोरस)

(पीछले महीनेमें बहार पडी हुई हींदी उर्दु रेकार्डझ)

Srimati Laxmibai Baroda. श्रीमती लक्ष्मीबाई (बडोदा)

TM 8329 / टी. एम. ८३२९
- बंसीका बजाना छोड दे ... ... दुर्गा
- प्रेम नगर मत जाना ... ... पीलु

Prof. Wamanrao Sadolikar, (Kolhapur).
श्रीयुत वामनराव सडोलीकर (कोल्हापुर)

DA 5263 / डी ए ५२६३
- फुली बनराईवेल ... ...
- पार न पायो नाद भेदको ... ...

Nazir Ahmed & Bhagabai. नझीर एहमद और भागाबाई

DA 5268 / डी ए ५२६८
- गवांरकी जोरू ... भाग १ ... कोमीक
- " " ... भाग २ ... "

Sitabbai (Nagpur) सीताबबाई (नागपुर)

DA 5266 / डी ए ५२६६
- कोई उम्मीद बर नहीं आती ... गझल
- चलो दो कदम ... ... "

Gulam Najaf Ajmer).

DA 5270 / डी ए ५२७०
- इश्कने तोडी सरपे क्यामत ... ... गझल
- अबे हुस्न करम अरजां ... ... "

Pandit Hansraj Madan **पं. हंसराज मदन**

MM 7131 / एम ऐम ७१३१
- मोरी सुध लीयो ब्रीजराणी ... ... ललीत
- तुं कीरतार जगनिस्तार ... ... भटीयार

Miss Pushpa Seth **मीस पुष्पा शेठ**

DA 5297 / डी ए ५२९७
- पिया बिन रेन कटे नाहीं ... ... ठुमरी
- एरी कोयल चुप होजा ... ... देश

Master Manohar Kapur & Vilayat Begam.

मास्तर मनोहर कपूर और विलायत बेगम.

DA 5294 { पुजारी मोरे मंदरमें आओ ... ... डयुएट
डी ए ५२९४ { नदी किनारे आओ साजन ... ... ,,

Miss Mamibai मिस ममिबाई

DA 5296 { ब्होत देरसे बेठी ... ... गझल
डी ए ५२९६ { हां हां तुंने चीलमनसे मारा ... ... ,,

Shaikhlal Quawal (Nagpur)

शेखलाल कवाल (नागपूर)

DA 5308 { अजब तेरा खेल ... ... गझल
डी ए ५३०८ { चलो सखी मस्जीदमें .... ,,

Master Khemshing Pawar मा. खेमसींग पवार

DA 5310 { हटइदी जुलफीया ... ... नात
डी ए ५३१० { अल्लाहरे केफआवर ... ...

Master Vasudeorao Angare (Ahmedabad)

मा. वासुदेवराव अन्गरे (अहमदा बाद)

MM 7132 { मधुर मधुर बंसीकी... प्रो शंकरराव
एम एम ७१३२ { मनमोहन जा जा होरी खेलन... व्यास कृत

Joharabai of Delhi जोहराबाई (दिल्ही)

M. M. 7133 { सुरतीयां देखे बीना नाहीं चेन ... ... दादरा
एम. एम. ७१३३ { सैया राखे लाज ... ठुमरी ... आलम कृत

M. M. 7138 { भर भर के पीला साकी ...... गझल आलम कृत
एम. एम. ७१३८ { वो शरमाये हुवे हे .... ,, ...

Vatsalabai Kumthekar वत्सलाबाई कुमठेकर

D. A. 5330 { दीलोंजां बनके नादान लीये जाते हे...गझल...खलील
डी. ए. ५३३० { कातील मीलेगी झींदगीऐ ...गझल...कृत

D. A. 5356 { कुंजन बन बोले पपीहा.........ठुमरी
डी. ए. ५३५६ { सोतनसेना बोल................ ,,

Master Ahemed Dilawar. मा. अहेमद दिलावर.

TM 8332 { जो था बंदा बदानवाझमें ... ... गझल
टी एम ८३३२ { खतांओंसे पहेले पशेमानीयां हे ... ... ,,

Master Gulam Rasul मा. गुलाम रसुल

DA 5324 { हुस्नके जल्वोंसे हे ... ... गझल ... बशीर
डी ए ५३२४ { जल्वगर कोन ए कहेता है... ,, ... कृत

D. A. 5366 { तोडो ना आशरा कीसी उमीदवारका ......गझल
डी. ए. ५३६६ { साकी मेहेरुमना जावु तेरे मैखानेसे ...... ,,

The Young India Party (Urdu Branch)

धी यंग ईन्डया पार्टी (ऊर्दु शाखा)

DA 5337 { आगा सा'बका होटल ... भाग १ ...कोमीक...मुन्शी
डी ए ५३३७ { ,, ,, ... ,, २ ... ,, ...हुनर कृत

Pandit Jawaharlal Nehru पंडीत जवाहरलाल नेहरू

T. M. { 8333 भारतीयोंको संदेश......भाग १
टी. एम. { ८३३३ ,, ,, ...भाग २

Vatsalabai Kumthekar and Manohar Kapur.

वत्सलवाई कुमठेकर. और मा. मनोहर कपुर.

DA 5332 { हमपे दया करो भगवान ... ...ड्युऐट
डी ए ५३३२ { जगकी हरसे आनी जानी. ... ... ,,

DA 5340 { तुम्हीने मुजको प्रेम शीखाया ... ... ड्युएट
मनोहर कपुर
डी ऐ ५३४० { वो हसीं जीसका के कींस्सा ... गझल

DA 5365 { श्याम मुरारि कुंज विहारी... ड्युएट
Manohar Kapur मनोहर कपुर
डी ऐ ५३६५ { सुनो सुनो हे कृष्ण काळे ... भजन

Mr. S. L. Puri. मी. एस. एल. पुरी.

DA 5269 { जवानीमें महोब्बतका ... गझल
डी ए ५२६९ { नेरा हुस्न जल्वाये नाहे ... ,,

DA 5343 रुपके पुतले मीत नहीं है ... भजन
डी. ए. ५३४३ प्रेम दुःखोंका सार ... ,,

Master Surendra Kumar मा. सुरेन्द्र कुमार

DA 5344 { अय जन्म जन्म के सुखदाता
डीऐ ५३४४ { कीतना आनद है सावनमें

H. Masih एच. मसीह

MM 7136 { मारी कटारी लागी प्यारी ... ठुमरी ... मुन्शी
एम एम ७१३६ { तेरी प्यारी प्यारी अदा देखता हुं गझल ...आलम कृत

Manohar Kapur. मा. मनोहर कपुर.

DA 5295 { पंछी काहे होत उदास
डी ए ५२९५ { ना रहेंगी बदरीया छाई

DA 5313 { जयकारे जवाहरलालजीके
डी ए ५३१३ { कहां हो मोती कहां हो मोती

DA 5315 { प्रेमका है संसारमें पंथ निराला ... ... मुन्शी आलम कृत
डी ए ५३१५ { मनमन्दीरमें देख पुजारण.... .... फानी ,,

DA 5316 { इश्क मुजको न सही वहेशतही सही ... ... गझल
डी ए ५३१६ { सब हां कुछ लालओ .... ,,

DA 5346 { वो मुजसे बीगडते हैं ... ... गझल
डी ए ५३४६ { तेर ईश्कने जिंदगानी लुटादी ... ... ,,

Shamim Begam of Delhi. शमीम बेगम (दिल्ही)

DA 5267 { कीजीये यातो मेरी ईन्दाज ... ... नात
डी ए ५२६७ { या महोमम्द मुझे तेरा दिदारहो ... ,,

DA 5347 { हकके प्यारे हो तुम हकके महबूब हो ... ... नात
डी ए ५३४७ { या रसुलील्लांह तुम हो आरजुए दो जहां

Pandit Ratanpiya पंडीत रतनपीया

DA 5272 { श्रीमद्‌ भगवद गींता ... ... भाग १
डी ए ५२७२ { ,, ,, ,, ... भाग २

DA 5273 { ,, ,, ,, ... भाग ३
डी ए ५२७३ { ,, ,, ,, ... भाग ४

DA 5274 { ,, ,, ,, ... भाग ५
डी ए ५२७४ { ,, ,, ,, ... भाग ६

DA 5317 { फुलवा बीनन हम गली...
डी ए ५३१७ { कान देश ढुंढं रामा......

DA 5345 { मन मुरख अब राम भजले...... भजन
डीए ५३४५ { नदीयां पापकी गहरी.........

D. A. 5358 सब द्वार पडे हे बंद .... भजन
डी. ए. ५३५८ में मोहन अंदर जाऊं .... ,,

INSTRUMENTAL RECORDS. वाजींत्र की रेकॉर्ड्झ

Blue Label Rs. 1-8-0 ब्लुलेबल कीं. रु. १-८-०

Prof. B. K. Shastri. प्रो. बी. के. शास्त्री.

DA 5370 { वायोलीन ... ... बागेश्री
डी ए ५३७० { ,, ... जोगीया
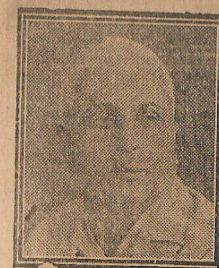
बी. के. शास्त्री.

मशहुर वायोलीनीस्ट प्रो. बी. के. शास्त्रीकी यही वायोलीनकी रेकोर्ड बागेश्री और जोगीया रागमें सुनकर आपका दिल तरबतर हो जायगा. इतनी काबेलीयतसे और ढंगसे प्रो. शास्त्री वायोलीनपे अपनी कमालीयत बतातेहे के वायोलीनकीयह रेकर्ड सुननेवाले हरकोई शख्सका दिलपर वो अपनी चोट लगा देगी और खरीदनेकी फर्ज पाडेंगी.

B. N. Meliketi बी. एन. मलीकेटी

DA { 5271 सतार ... ... यमन
डी ए { ५२७१ ,, ... जंगला

Master Krishnachandra Tipnis.

मा. कृष्णचंद्र टिपनीस.

DA 5303 { बंसी ... ... बागेश्री
डीए ५३०३ { ,, ... मीश्र पहाडी

Master Baburao Borker — **मा. बाबुराव बोरकर**

DA 5328 / डी ए ५३२८ — हारमोनीयम ... ... खमाज.
" ... ... मीश्र काफी

Young India Music Party — **यंग इंडिया म्युझिक पार्टी**

DA 5338 / डीए ५३३८ — ओरकेस्ट्रा
"

B. M. Devlankar — **बी. ऐम देवलंकर**

DA 5362 / डी ऐ ५३६२ — सरणाई ... ... गत ... सुनो सुनो
" ... ... जय जवंती

फिल्म रेकॉर्डझ

SPECIAL LABEL Rs. 2-4-0 स्पेशीअल लेबल किं. रु. २-४-०

जय श्री फीलम कुंपनी (पुना) कृत "नंद कुमार"

Durgakhote — **दुर्गा खोटे**

M P 552 / ऐम पी ५५२ — सुतहै जगमें सबसे प्यारा... — फिल्म नंदकुमार
रुठ गये कयुं.... — " "

Jayshri Kmulkar — **जयश्री कामुलकर**

MP 551 / ऐम पी ५५१ — दर्शन कयुं नहीं देते श्याम... — फील्म नंदकुमार
मनमोहन तेरीं बंसीने... — " "

MARWARI RECORDS — मारवाडी रेकर्ड

Blue Label Rs. 1-8-0 — ब्लु लेबल की १-८-०

Shamim Begum Delhi — शमीम बेगम (दिल्ही)

DA 5319 { पेमची योरी घारी ... मारवाडी गायन
डी ए ५३१९ { खडी हे दावेदार ... ,, ,,

Master Khemsing Pawar — मा. खेमसींग पवार

DA 5293 { जोबन कोण बीद राखुं .... मारवाडी गायन
डी ए ५२९३ { रेवोनी आजकी रात ... ,, ,,

BANGARI RECORDS — बांगरी रेकर्ड

Blue Label Rs. 1-8-0 — ब्लु लेबल कीं. १-८-०

Shamim Begum (Delhi) — शमीम बेगम (दील्ही)

DA 5205 { ऐरी सास ननंद न घरमें... बांगरी गायन
डी ए ५२०५ { थोडीसी भीड पडे... ,, ,,

DA 5318 { सरंदे लगी बजावन बीन ... . ,, ,,
डी ऐ ५३१८ { मीर्गं बर्ग नयनसे ... ... ,, ,,

MULTANI RECORDS. — मुलतानी रेकर्ड्झ

Blue Label Rs. 1-8-0 — ब्लु लेबल कीं. १-८-०

Master Tejbhan of Rawalpindi

मा. तेजभान रावलपींडीझ

DA 5177 { बुढा होके शादी न करनी ... मुलतानी गायन
डी ए ५१७७ { न मारवे जालीम तोता ... ,, ,,

DA 5325 { लोगांदे दील साददे ... ... ,, ,,
डी ए ५३२५ { बीन दीलवर आंही करका ... ,, ,,

PUNJABI RECORDS. — पंजाबी रेकर्ड

Blue Label Rs. 1-8-0 — ब्लु लेबल कीं. १-८-०

Master Tejbhan of Rawalpindi — मा. तेजभान रावलपींडी

DA 5304 { आन दीया दीदार नबीजी
डी ए ५३०४ { जीन्हा इश्क नबीदा लाया

DA 5326 { कौंसीलदी मेम्बरी ... हीस्सा १ ... मजाकीया
डी ए ५३२६ { ,, ,, ... ,, २ ... ,,

Shamim Begum of Delhi — शमीम बेगम (दील्ही)

DA 5166 { या नबी तेरे ईश्कने ... ... पंजाबी गायन
डी ए ५१६६ { तेरा तुट जाना ... ... ,, ,,

Master Surendra and Party — मा. सुरेन्द्र और पार्टी

DA 5231 { आजा श्याम मोरारी ... . पंजाबी गायन
डी ए ५२३१ { सोहने श्याम ... ... ,, ,,

Master Mohmed Shafi And Party

मा. महंमद शफी और पार्टी.

DA 5232 { मोजजा पीरानेपीर ... हीस्सा १
डी ए ५२३२ { ,, ,, ... ,, २

DA 5233 { कोइ बदलीयां आंदीयां
डी ऐ ५२३३ { दो पतर बडनीयाल दे

DA 5234 { कवारे और रंडे ... भा. १ ... मजाकीया
डी ए ५२३४ { ,, ,, ,, ... भा. २ ... ,,

DA 5250 { ऊठ चल मदीने
डी ऐ ५२५० { दील खेले तवहीद हे

DA 5251 { सुनदे ततड नमानी
डी ऐ ५२५१ { बलु बलु तेरे होठ गुलाबी

DA 5276 { इस न्यु लाई
डी ऐ ५२७६ { दुन्या हे चोसरबाजी

Bashir Ahmed

बशीर अहेमद

DA 5275 { कीली ऊते तंग कीता
डी ऐ ५२७५ { शीसी देखके बंद कीता

SINDHI RECORDS

सींधी रेकर्ड्झ

BLUE LABEL Rs. 1-8-0

ब्लु लेबल कीं. १-८-०

Bhagat Gajuram

भगत गजुराम

DA 5284 { महेर मुजे मनमां ... ... सींधी गायन
डी ए ५२८४ { अरीयां राजुदे नाल ... ... ,, ,,

DA 5288 { इमां मंजी सीफत ...भा. १... ,, ,,
डी ए ५२८८ { ,, ,, ...भा. २.... ,, ,,

DA 5301 { उमर पहेंदे अबाणनजी ... ... ,, ,,
डी ए ५३०१ { कठी मुहजे वतन तेवरी... ... ,, ,,

DA 5302 { मथुरावे मोरारी कनैया ... . ,, ,,
डी ए ५३०२ { प्यारा कृष्ण कनैया कान ... ,, ,,

DA 532 I { साह इनायत ... भा. १ ... ,, ,,
डी ए ५३२१ { ,, ,, ... भा. २ ... ,, ,,

Bhagat Kherajmal

भगत खेराजमल

DA 5285 { सुहागण सांई जेहजो ... ... सींधी गायन
डी ए ५२८५ { पींगुले झुटायां लोवडी देवायां ... ,, ,,

DA 5298 { कुडमंजो कुडनथी ... ... ,, ,,
डी ए ५२९८ { लाल पींगुलो झलाये ... ... ,, ,,

DA 5320 { दर अवाजेजी गोमी वाजा ... ,, ,,
डी ए ५३२० { सीख तोरे तरीक कलंद्रका ... ,, ,,

Bhagat Arjan

भगत अरजन

DA 5286 { आवो प्रीतम प्रेम नगरमें . . सींधी गायन
डी ए ५२८६ { प्रेम जो आंहन जगमें ... ,, ,,

DA 5299 { घायल करर नजरशां ... ,, ,,
डी ए ५२९९ { खुबरू गयरन अगयां ... ,, ,,

DA 5322 { मारे मारु अनजी उकीर ... ,, ,,
डी ए ५३२२ { मुहजा मारू अरामंजा सांगीआरा ... ,, ,,

DA 5348 { अज पातम पीाम घरमें .... ,, ,,
डी ए ५३४८ { मुखे पार पुजाये कोई ... ,, ,,

Bhagat Ramumal

भगत रामुमल

DA 5287 { कांगल अदा खण तवंजा सींधी गायन
डी ए ५२८७ { सुख अथम जींदा पीरजी ... ,, ,,

DA 5289 { अच्यु नडे पहेंजे अबाणनजी ... ,, ,,
डी ए ५२८९ { तोरे सवत दफा तोरे लखना दफा ... ,, ,,

DA 5300 { महोब मीठेठो कान मीलनेरा ... ,, ,,
डी ए ५३०० { रेईरंनी दशेस्तमें ... . ,, ,,

DA 5322 { ०बक्षे वान बक्षे मरजी याजी ... ,, ,,
डी ए ५३२२ { आओ राना सुरत वालु ... ,, ,,

नेशनलके वडाला (बम्बई) का

कारखानेमें बनी हुई कुंपनीओकी

सो टके स्वदेशी रेकॉर्डझ

नहीं सुनी ? फोरन सुनो ओर खरीदो.

धी बोम्बे रेकॉर्ड कुंपनी... ... मुंबई.
धी डायमंड रेकॉर्ड कुंपनी ... मुंबई.
धी वीनस रेकोर्ड कंपनी .... मुंबई.
धी फ्रन्टीयर ग्रामोफोन मार्ट ... करांची.
धी स्वीट साउंड ग्रामोफोन रेकॉर्ड कंपनी ली. ... दिल्ही.
धी काठीयावाड म्युझीकल प्रोडक्टस एन्ड
वेरायटीझ सीन्डीकेट ... राजकोट.
धी जे. एम. सोनी कंपनी ... करांची.
धी पंजाब नेशनल रेकॉर्डींग कंपनी ... लाहोर.
मद्रास म्युझिकल मोटर एन्ड सायकल असेरीझ मार्ट मद्रास.

مطبوعہ :-

تاج محل فائن آرٹ لیتھو ورکس انیسلے اسٹریٹ

لیمنگٹن روڈ بمبئی ۴
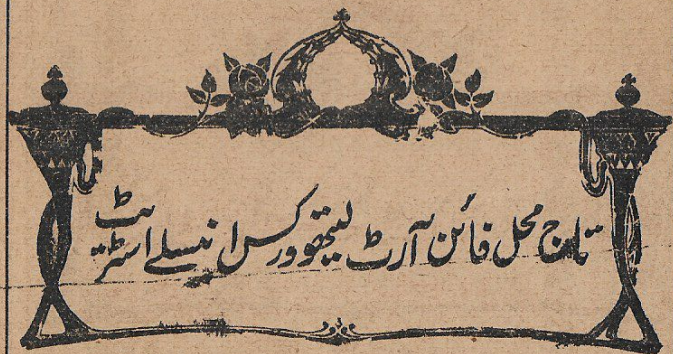
NATIONAL

GRAMOPHONE

RECORDS

MFG. CO.

110

MEDOWS STREET,

FORT

BOMBAY

ارجن بھگت — Arjun Bhagat

گھائل قدر نظر سا ....
خوبرو گیرن اگیان ....
D. A. 5299

بھگت راموبل — Bhagat Ramomal

مُحب مِٹھڑ دِکھن ملن دو ....
رووئی رُنی دل سے تے ....
D. A. 5300

بھگت گجورام — Bhagat Gajooram

عمر پھنڈے ابانڑ ترجی ....
کرڑی موہنہ جی وطن تیوری ....
D. A. 5301

متھرا ہیں مرادی کنہیا ....
پیارو کرشن کنھیو کان ....
D. A. 5302

بھگت کھیراج — Bhagat Kheraj

دراور جے جی گولی باجا ....
بیکھو تورے طریق قلندر روا ....
D. A. 5320

بھگت گجورام — Bhagat Gajooram

شاہ عنایت .... حصّہ اول
" " .... " دوم
D. A. 5321

ارجن بھگت — Arjun Bhagat

مارے ماروانجی او فکر ....
موجا ماروارا موجا سانگی را ....
D. A. 5322

بھگت راموبل — Bhagat Ramomal

بکشے دانہ بکشے مُرجی یار جی ....
آوُرانا صورت وا ....
D. A. 5323

ارجن بھگت — Arjun Bhagat

اج پا تر پیتم گھر ہیں ....
مکھے پار لجائے کوئی ....
D. A. 5348

D. A. 5325
لوگاں دے دل سادہ دے ....
بن دلبر آہیں کرکا ....

سندھی رکارڈز Sindhi Records

بھگت گجورام Bhagat Gajooram

D. A. 5282
مہر مجھے من میں ....
اریاں راجو دے نار ....

خیراج مل Kherajmal

D. A. 5205
سُہاگن سائیں جے اجو ....
بینگوط چھوٹا یاں لولڑی ڈیوریاں ......

ارجن بھگت Arjun Bhagat

D. A. 5286
آؤ پریتم پریم نگر میں ....
پریم جو آؤ نہ جگ میں ....

راموؔمل Ramomal

D. A, 5287
کاگن اوا لکھن تون جا ....
شوکد اتھم زندہ پیر جی ....

بھگت گجورام Bhagat Gajooram

D. A. 5288
امامن جی صفت .... حصّہ اوّل
" " " .... " دوم

راموؔمل Ramomal

D. A. 5289
ادیو لڑے پیہے جے ابانٹڑ جی ....
تورے سوت دفعہ تورے لکھت دفعہ ....

بھگت خیراج Bhagat Kheraj

D. A. 5298
کوڑ منجو کوڑ نمتی ....
لال بنگو لو جھلائے ....

محمد شفیع پارٹی — Mohamed Shafi & Party

کوئی بدلیا آ ندیا	D. A. 5233
دو پترو ڑ نیالدے	
کنوارے اور رنڈے (مذاقیہ) ...... حصہ پہلا	D. A. 5250
" " " .... " دوسرا	
اُٹھ چلے مدینہ	D. A. 5234
دل کھلے تب عید ہے	

آغا صاحب کا ہوٹل — Aga Saheb ka Hotal

آغا صاحب کا ہوٹل .. (مذاقیہ) .. حصہ اوّل منشی ہنر	D. A. 5337
" " " ...... " دوم "	

مارواڑی رکارڈز — Marwari Records

ماسٹر کھیم سنگھ پوار — Master Khemsingh Pawar

جوبن پونتر بُدھ راکھوں .... مارواڑی	D. A. 5293
دیوتی آج کی رات .... "	

شمیم بیگم (دہلی) — Shamim Begum Delhi

پوم چیوری گھالی .... مارواڑی	D. A. 5319
کھڑی ہے دعویدار .... "	

بانگڑی رکارڈز — Bangri Records

شمیم بیگم (دہلی) — Shamim Begum Delhi

اے ری ساس نہ نند گھر ہیں .... بانگڑی	D. A. 5205
تھوڑی سی بھیڑ پڑے ہیں .... "	
سر ندے لگی بجاؤں بین .... "	D. A. 5318
مرگ برگ نین سے .... "	

ملتانی ریکارڈز — MutaniRecords

ماسٹر تیج بھان راولپنڈی — Master Tejbhan Rawalpindi

بڈھا ہو کے شادی نہ کرنا	D. A. 5177
نہ مارو ے ظالم طوطا	

چُنڈے تنتڑی نہ مانی .... یک بلو تیرے ہوئے گلابی	D. A. 5251
اس بتولائی .... دُنیا ہے چوسر بازی	D. A. 5276
Master Bashir Ahmed	بشیر احمد
کیلی اوتے تنگ کیا .... شیش دیکھے کے بند کیتا	D. A 5275
Master Tej Bhan Rawal Pindi	ماسٹر تیج بھان راولپنڈی
آن دیو دیدار نبی جی .... جتا عشق نبی والا	D. A. 5177
Master Krishna Chand Chitnis	ماسٹر کرشن چندر چٹنیس
بنبی .... باگیسری 〃 .... مدہی پہاڑی	D. A. 5303

Baboorao Borkar	بابوراؤ بورکر
ہارمونیم .... کھماچ 〃 .... مصری کافی	D. A. 5328
PunjabiRecords	پنجابی رکارڈز
Shammi Begum Delhi	شیمم بیگم (دہلی)
یا نبی تیرے عشق نے .... نعت تیرا ٹوٹ جانا .... 〃	D. A. 5166
Suredra & Party	سریندر پارٹی
آجا شام مراری .... سوہنے شام سوہنے شام	D. A. 5231
Master Mohamed Shafi	ماسٹر محمد شفیع
مجا پیران پیر .... حصہ اول 〃 〃 〃 .... 〃 دوم	D. A. 5232

منوہر کپور — Manohar Kapur

D. A. 5315
پریم کا اس سنسار میں ہے پنتھ نرالا ... از عالم لکھنوی
من مندر میں دیکھ بچارن .... از فانی

پنڈت رتن پیا — Pandit Ratan Pia.

D. A. 5317
پھلوا بنن ہم گیلی ....
کون دیش ڈھونڈھوں راجہ ....

ماسٹر احمد دلاور — Master Ahamed Dilawar

T. M. 8332
جو تھا بندہ نواز ہیں .... غزل
خطاؤں سے پہلے پشیمانیاں ہیں .... "

وتسلا بائی کمٹھے کر — Vatsalabai Kumthekar

D. A. 5330
دل وجان بن کے جو نادان لئے جاتے ہیں .... غزل خلیل
قاتل ملیگی زندگی جاوداں کہاں .... "

منوہر کپور — Manohar Kapoor

D. A. 5316
عشق مجھکو نہیں وحشت ہی سہی ...... غزل غالب
سب کہاں کچھ لالۂ و گل میں نمایاں ہوگئیں ... "

ماسٹر غلام رسول — Master Culam Rasool

D. A. 5324
حسن کے جلوؤں سے ہے .... غزل
جلوہ گر کون یہ کہتا ہے .... "

پچھلے مہینہ باہر پڑے ہوئے ساز کے رکارڈز !!

بی ۔ این ۔ مے لی گٹی — B. N. Mailigalty

D. A. 5271
ستار .... یمن
" .... جنگلہ

دی ینگ انڈیا میوزک پارٹی — The Young India Music Party

D. A. 5338
آرکسٹرا ....
" ....

Shrimati Pushpaseth | **شریمتی پشپا سیٹھ**

D. A. 5297
پیا بن رین کٹے نا ہیں .... ٹھمری
اے ری کوئل چُپ ہو جا .... دیس

Master Manohar & Vilayat Begum | **ماسٹر منوہر کپور اور ولایت بیگم**

D. A. 5294
ندی کنارے آؤ ساجن — ڈوئٹ
پجاری مورے مندر میں آؤ — ״

Master Manohar Kapur | **ماسٹر منوہر کپور**

D. A. 5295
پنچھی کاہے ہوت اداس .... ہندی گانا
نارہیگی بدریا چھائی .... ״ ״

D. A. 5313,
جیکارے جواہر لال جی کے .... قومی گیت
کہاں ہو موتی کہاں ہو موتی .... ״ ״

Miss Mammi Bai | **مس ممی بائی**

D. A. 5296
بہت دیر سے بیٹھی .... غزل
ہاں ہاں تو نے چلمن سے مارا .... ״

Shaikhlal Quawal (Nagpur) | **شیخ لال قوال (ناگپور)**

D. A. 5308
عجب تیرا کھیل او کھیلن والے ....
چلو سکھی مسجد میں سب کھیلیں ہوری ....

Master Khem Singh Pawar | **ماسٹر کھیم سنگھ پوار**

D. A. 5310
ہٹتی دو جُلفیا پیارے محمدؐ .... نعت
اللہ رے کیف آور فرمانا محمدؐ کا ...... ״

Master Vasudeo Angre | **ماسٹر واسدیو راؤ انگرے**

M. M. 7132
مدھر مدھر بنسری کی .... پروفیسر شنکر راؤ
من موہن جا جا ہوری کھیلن ..... شنکر راؤ ویاس کرت

Zohra Bai Delhi | **زہرہ بائی دہلی**

M. M. 7133
صورتیا دیکھے بنا نا ہیں چین ..... دادرا ازلے عالم لکھنوی
سیاں راکھو لاج .... ٹھمری ״ ״ ״

ایضاً .... سوم	D. A. 5273	
" .... چہارم		
" .... پنجم	D. A. 5274	
" .... ششم		

Prof Vaman Rao Sadolkar (Kolhapuri) — **پروفیسر وامن راؤ سادولکر (کولہاپوری)**

پھوئی بن رائی بیل .... ٹھمری	D A. 5263
پار نہ پایو ناؤ بھید کا .... دادرا	

Nazir Ahamed & Bhagabai — **نظیر احمد اور بھاگابائی**

گنوار کی جورو (کامک) .... حصہ اول	D. A. 5268
" " " (") .... " دوم	

S. L. Puri — **ایس۔ ایل پوری**

جوانی میں محبت کا .... غزل	D. A. 5269
تیرا حسن جلوہ ناز ہے .... "	

Shitab Bai Nagpur — **شتاب بائی ناگپور**

کوئی امید بر نہیں آتی .... (غزل غالب)	D. A. 5266
چلو دو قدم .... غزل	

Shamim Begum Delhi — **شمیم بیگم دہلی**

کیجیے یا تو میری .... نعت	D. A. 5267
یا محمد مجھے تیرا دیدار ہو .... "	

Gulam Najaf Ajmeri — **غلام نجف اجمیری**

عشق نے توڑی سر پہ قیامت .... غزل	D. A. 5270
اے حسن کرم .... "	

Pandit Hansraj Madan — **پنڈت ہنسراج**

موری شدھ لیو وراج رانی .... للت	M. M. 7131
توں کرتار جگ نستار .... پٹیالہ	

Manohar Kapoor & Vatsala Bai — منوہر کپور اور وتسلا بائی کمٹھے کر

D. A. 5365
شام مراری کنج بہاری .... ڈوئٹ
ستو ستورے کرشن کالے .... "

Pandit Ratanpia — پنڈت رتن پیا

D. A. 5358
سب دوار پڑے ہیں بند .... میراں بھجن
من موہن مندر جاؤں .... " "

Zohra Bai — زہرہ بائی (دہلی)

M. M. 7138
بھر بھر کے پلا ساقی پیمانے پہ پیمانہ .... غزل از عالم لکھنوی
وہ شرمائے ہوئے ہیں وصل سے انکار کرتے ہیں خمسہ "

Master Gulam Rasul — غلام رسول

D. A. 5368
توڑو نہ آسرا کسی امیدوار کا .... غزل
ساقی محروم نہ جاؤں تیرے میخانہ سے ...... "

Instrumental Records — سازکارکارڈز

بی اے۔ شاشتری

D.A. 5370
وایولن .... باگیسری
.... " جوگیا

پچھلے مہینہ ریلیز کئے ہوئے اردو ہندی ریکارڈز !!!

Shrimati Laxmi Bai (Broda) — شریمتی لکشمی بائی

T. M. 8329
بنسی کا بجانا چھوڑ دے .... درگا
پریم نگر مت جانا .... پیلو

Pandit Ratan Pia — پنڈت رتن پیا

D. A. 5272
نشری اور بھگوت گیتا .... حصہ اول
" " " .... " دوم

مسٹر ناز
Master Naz

عبداللہ کے لالنا .... نعت
تن من ڈار دونگی وار .... ″
D. A 5376

مسٹر ناز کانپوری کو فن موسیقی سے قدرتاً انسیت ہے۔ آپ کے تحریر شدہ گانے مس ملکہ جان نے گاکر پیش کئے ہیں جو کہ اسی ماہ میں انہیں رکارڈوں کیساتھ پبلک کی خدمت میں کمپنی پیش کرنے کا شرف حاصل کر رہی ہے۔ مسٹر ناز نے مذکورہ بالا چیزیں خوب ادا کی ہیں جن کو قدر دان ضرور سراہینگے اور اس رکارڈ کو بلا خریدے نہ مانینگے۔

رخ اول

عبداللہ کے لالنا۔ حوریں جھلائیں پالنا۔ لوری دیویں آمنہ
کہویں حلیمہ میرے پیارے جھولو جھولنا

آج عرب میں دہوم مچی ہے — ہر کیاری یثرب کی بجی ہے،
امت کی تقدیر جگی ہے، — احمد کملی والے پیارے جھولو جھولنا
مبہم کا پردہ رخ سے ہٹا کر — جلوے احمد سب کو دکھا کر
خود اپنے کو مائل پاکر، — بیتابی میں حق یہ پکارا جھولو جھولنا
ناز جگت اب خوب سجیگا — کفر مٹا اسلام جگیگا

دین کا ڈنکا ہر سو بجے گا، — امت میں یہ شور مچیگا جھولو جھولنا

رخ ثانی

میں تو تن من ڈاروں گی پیا — آجا آجا مورے نینوں میں ساجنا
روم روم میں بس گیا محبوب الٰہی — شیخ فرید کے لاڈلے کلیر جا بسائی
علی احمد صابر پیا۔ آجا آجا
سب کو عطا ہو بھر بھر جھولی میں بیر بھاؤ
خواجہ معین الدین کے پیارے میں خالی بھر جاؤں
میں تو وار دونگی تم پہ جیا۔ آجا آجا
کالی کالی رین اندھیرا گم بھری ندیا — ناز پھنسا طوفاں میں صابر لنگر ٹوٹ گیا
منجدھار سے لیو بچا۔ آجا آجا

پچھلے مہینوں کے جاری کئے ہوئے کارڈ

ولسلا بائی کمٹھے کر
Vatsala Bai Kumthekar

کنجن بن بولے پپیہا پیرا .... ہندی گائن
سوتن سے نہ بول نا بول نا بول ..... ″
D. A. 5356

(رُخِ ثانی !!)

غزل

دو پھولوں کا گلدستہ یہ عالم فانی ھے
اک میرا افسانہ ہے اک ان کی کہانی ہے

ایفا نہ کرو بیشک پیمانِ علاج دِل
زخموں کو نمکداں میں رکھو نگا یہ ٹھانی ہے

دو چیزیں ہیں لافانی میخانہ ہستی میں
اک سوز محبت ہے اک داغِ جوانی ہے

پگھلی ہوئی جنت سے پُر ہے میرا پیمانہ
زاہد یہ سمجھتا ہے انگور کا پانی ھے

مِس ملکہ جان۔کانپور Miss Malka Jan Cawnpur

D. A. 5374

رب کا دُلارا بی بی آمنہ کی گودی کھیلے .... نعت
بانکو چھیلو کملی والا اپنے رب سے ملنے جائے .... "

مِس ملکہ جان آف کانپور شمالی ہندوستان کی مشہور مغنیہ ہیں آپکی آواز میں سوز وگداز اور کافی لچک ہے جسکو سُنکر ہر شیدائے موسیقی بے اختیار آپکی گائی چیزوں پر سر دھنتا ہے ہمیں امید ہے کہ ہمارے شائقین آپکی مذکورہ بالا رکارڈ

سنکر موصوفہ کے لحن کی کافی داد دیں گے ۔ اوپر کے گانے مسٹر نازؔ کے لکھے ہوئے ہیں۔

رُخِ اول

رب کا دُلارا بی بی آمنہ کی گودی کھیلے
پایو محمدؐ جیسا لالنا ہال اب خوش ہولے
دائی حلیمہ قسمت جاگی بڑھ کے گودی لے لے

پیدا ہوتے ہی اپنے نین سے کچھ ہوتی رولے
رحمت پکاری بخشی امت ساری میرے بھولے
چومیں عبد اللہ کالی زلفیں عارض گورے گورے

جھومیں خوشی حور و غلماں در جنت کا کھولے۔

رُخِ ثانی

بانکو چھیلا کملی والا اپنے رب سے ملنے جائے

آیو براق سواری کو در پر زین سنہری سجی ہے کمر پر
امت جو یاد آئی نبی کو آنسو دئے بہائے

آکاش لوک سے قاصد آیا احمد پیارا سوتا پایا
ملی جبیں تلوؤں سے ان کے سوتا لیو جگائے

چھن میں عرش گیو اور آیو بستر سرد ہوں نہ پایو
پڑھ لے نازؔ درود نبیؐ پر امت لئے بخشائے ،

ایک کہو کوئی لاکھ کہوگی پریت نہیں چھانی ۔ ملکر جانا .... الخ
جوتوں میرا گھر نہیں جانا ۔ گھر ہے گوکل ٹھانی
سورج شام پھر ہارو ۔ مانک چوک نشانی ۔ ملکر جانا .... الخ
جوتوں میرا نام نہ جانا ۔ میرا نام دیوانی
ایک دن ڈیرے آؤ ہمارے ۔ خوب کروں میزبانی
سب سکھین مل بیٹھ نہارو ۔ ان میں رادھا رانی
سورداس کو پھر درشن دیجو ۔ نہیں تجوں زندگانی ۔ ملکر جانا .... الخ

(دوسری طرف)

قربان جان صورت پہ کیا کرتے ہیں ۔ ہم تمہیں دیکھ نندلال برج راج جیا کرتے ہیں
گجراج مستک جسطرح چھوا کرتے ہیں ۔ دن رین ہمارے نین بہا کرتے ہیں ،
یوں پریتی بیل کو پانی دیا کرتے ہیں ۔ کب پھوٹیگی یہ بات سکا کرتے ہیں
کوئی پوچھے کہ بلونت کیا کیا کرتے ہیں ۔ آگے کی منزل صفا کیا کرتے ہیں

اردو ریکارڈز — Urdu Records

نیلا لیبل قیمت عہ — Blue Label Rs. 1-8-0

منوہر کپور — Master Manohar Kapoor

D. A. 5368
پہلو میں اک ہجوم تمنا لئے ہوئے ...... غزل
دو پھولوں کا گلدستہ .... "

ماسٹر منوہر کپور پنجاب کے مشہور گویوں میں سے ہیں۔ آپ کی تعریف وتسلا بائی کمٹھے کر کیساتھ اسی کتاب میں ہندی رکارڈوں کے تحت میں آچکی ہے۔ پس مزید کچھ یہاں پر بطور تکرار لکھنا فضول ہے۔ اس سلسلہ میں یہ ضرور ہم اپنے ناظرین کو بتانا چاہتے ہیں کہ آپ آل انڈیا ریڈیو اسٹار ہیں

(رُخ اول)

غزل

پہلو میں اک ہجوم تمنا لئے ہوئے ۔ دنیا سے جا رہا ہوں میں دنیا لئے ہوئے
اے مشتِ خاک ضبط کا دامن نہ چھوڑنا
آئے گا طور آپ ہی جلوہ لئے ہوئے
تیری خدائی میں مرا کوئی نہیں ہے دیکھ
دریا میں بھر رہا ہوں میں کوزہ لئے ہوئے
اب نامہ بر کے پاؤں نہ چوموں تو کیا کروں
وہ آرہے ہیں ساغر و مینا لئے ہوئے

نہ ایسے جوبنا نہ ایسی صورتیاں ۔ نہ ایسا پہنا گہنوا رام
بندرابن کی کنج ۔۔۔۔۔۔۔ الخ

پریت تو وا سے کیجئے کہ جا سے من پتیائے
جنے جنے کی پریت میں جنم اکارت جائے
رادھا دیکھے کرشن کو کرشن رادھا کی اور
کہنا کہوں میں چندرما کہتا کہوں چکور
بندرابن کی کنج ۔۔۔۔۔ الخ

تمہرے کارن او پیا تو کوئی ہے کلیش
دیش دیش میں پھری سو کر جوگن کا بھیس
او کنہیا بے وفا تجھ میں قدر نا ہیں ۔
کون برج کی ناری فرقت میں دیوانی ۔
بندرابن کی ۔۔۔۔۔ الخ

(دوسری طرف)

بنسی والے سے لاگی نجریا موری
اِت سے ہم جات ہتی اُت سے آوت شیام ۔ بجاوت بین
آن اچانک بھینٹ بھئی ہم سب چھینی اُن گھونگٹ چھینا
پریم بھرے پٹائے لیو چلیاں بیچ ٹپ ٹپ چوئت پسینہ

گاج پڑے اس لاج کے اوپر بھر اکھین شام کو دیکھ نہ لینا
بنسی والے سے لاگی ۔۔۔۔۔۔ الخ

آؤں شام کہن پرسوں دیکھے تک دور ہتی پرسوں
پرسوں نہ کہئے پرسوں نہ بڑے پرسوں کی جگ بیت گئی برسوں
سکھی ساون کی اندھیاری گھٹا ۔ میں اکلی سیج پڑی ترسوں
چت چاہت اُت جائے ملوں ، اڑا جات نہیں ہنا پرسوں ۔۔۔ بنسی والے ۔۔ الخ

مہادیو راؤ والاولکر Master Mahadevrao Valawalker

بھجن ہندی	ملکر جانا رے گمانی ۔۔۔۔۔۔۔۔	
بھجن	قربان جان صورت پہ ۔۔۔۔۔۔۔	D. A. 5371

مہادیو راؤ والا ولکر فنِ موسیقی کے ماہر ہیں ۔ آواز اچھی اور نہایت سائنٹفک طریقہ سے آپ گاتے ہیں ۔ فنِ موسیقی کے ماہر آپ کے رکارڈ سنکر نہایت خوش ہوں گے اور آپ کے کمال کی داد دیں گے ۔ آپ گندھرب ناٹک کمپنی کے مشہور ایکٹر ہیں ۔

(ایک طرف)

ملکر جانا رے گمانی ۔ تیری سانوری صورت دیکھ لبھانی
جب لگ لیر سُنی بنسی کی بھول گئی ان پانی ۔

پر سرُ دھنتا ہے۔ سارا پنجاب و شمالی ہندوستان موصوفہ کی آواز پر فدا ہے اب ہم شائقین کی خدمت میں موصوفہ کا مذکورہ بالا رکارڈ پیش کرنے کے فخر حاصل کر رہے ہیں جو اپنا آپ نظیر ہے۔

(ایک طرف)

جاؤ جی جاؤ جی میں ناہیں کھیلوں ہوری
براجوری کیسے رام
کنور شیام مگ میں تھام۔ جھٹک پٹ پٹ مٹکے ہوری
جاؤ جی جاؤ جی........الخ
تم جو رہت سوتن سے دستر بار بار کرن ہم سے چھیر چھار
چلو جی چلو جی کروں نہ تم سے پیار
مٹک ہوری بنیاں موری مروری۔ چنری موری رنگ میں بوری
جاؤ جی جاؤ جی ....الخ

(دوسری طرف)

لے گئے ہیں یار نرالے ۔ ہائے میرا دل ہائے میرا دل
چھاگئے دل پر یادل کالے۔ ہائے میرا دل......الخ
کلیوں کے رس لے گئے۔ آپ تو اڑ گئے ہم کو دے گئے
اہو بھونگا اور نیلے ۔ ہائے میرا دل.....الخ

قینچی میں زلفوں کو پھنسا کے۔ لیگئے ہندی داں بنا کے
گئے سو کنڈل والے۔ ہائے میرا دل.....الخ
تیر نظر کا مارا اس نے۔ کردیا پارہ پارہ اس نے
بے دردی کے پہلے۔ ہائے میرا دل.....الخ

مس انوری (کانپور) Miss Anwari

D. A. 5375

بندرابن کی کنج گلی میں........ ہندی بھجن
بنسی والے سے لاگی نجریا........ بھجن

مس انوری نہایت نوعمر آرٹسٹ ینگ انڈیا گراموفون کی ہیں جنکے ساتھ کانٹریکٹ کمپنی کا ابھی حال ہی میں ہوا ہے۔ قدرت نے موصوفہ کو آواز خداداد دی ہے۔ اور موصوفہ کی آواز میں اس قدر رس اور لوچ ہے کہ حد بیان سے باہر ہیں موصوفہ کے گانوں پر جسقدر فخر ہو کم ہے۔ شائقین موصوفہ کے رکارڈ سے خود اندازہ کرینگے۔ کہ مس انوری کا گانا جیتا جاگتا جادو ہے۔ ہماری شائقین سے پُرزور سفارش ہے کہ وہ موصوفہ کا رکارڈ جلد از جلد خرید لیں ورنہ پھر نہ کہیں جے ہمیں خبر نہ ہوئی۔

(ایک طرف)

بندرابن کی کنج گلی میں ۔ روکت موری ڈگریا ہائے رام

(ایک طرف)

پریم نگر جانہ پگلے ۔ پریم نگر نہ جانا
روئے گا دکھیا جیون پر ۔ جل جائیگا جلتے ایندھن پر
پتھر رکھ سنتوش کا من پر ۔ ہوگا پھر پچھتانا
پریم نگر کی پھلواری میں ۔ کانٹے اُگت ہیں اس کیاری میں
کرودھ ہے اس کے نر ناری میں ۔ دُکھ ہے اس کا تانا
مت ہنس پیچھے رونا ہوگا ۔ پریم میں باورا ہونا ہوگا
جیون رو رو کھونا ہوگا ۔ ملے گا نہیں ٹھکانا

(دوسری طرف)

ایک پجاری ایک پجارن ایک جنگل میں رہتے تھے
کہنے والے ان دونوں کو پاگل پریمی کہتے تھے
ایک رات کو تین بجے میں چھوڑ کے اپنا گاؤں
چپکے چپکے پہنچا واں پر چھوئے ان کے پاؤں
کہا سناؤ اب تم ہم کو پریم کی بیتی بات
بیت چلی ہے رات ہماری بیت چلی ہے رات
یہ سنکر ان دونوں نے گیان کی گیتا کھولی
پریم سکھا تو ہو گیا چپکا وہ کنیا یوں بولی ؎

کرودھ بھری دُنیا میں ساجن کون کسی کی سنتا ہے
کہنے والا کہہ دیتا ہے آخر سر کو دُھنتا ہے
ایک سمے میں جمنا گھاٹ سے پانی بھر کر لائی تھی
برہم دیو نے میرے جل سے اپنی پیاس بجھائی تھی
کہتی رہی میں نیچ پجارن مت پیو مجھ سے پانی
اُن کا پانی پی لینا ہی بن گئی ایک کہانی ،
اس دن سے اس گاؤں کے باشی ہم کو پگلے کہتے ہیں
اُن پگلوں کے دیس کو تج کر اب ہم بن میں رہتے ہیں

اندھی دنیا یہ نہ جانے پریم دیو ہے اندھا
دلی تبھی تو جگ کو تج کر ہے اب پریم کا بندہ

ولایت بیگم — Velayat Begum

جاؤ جی جاؤ جی میں ناہیں کھیلوں ...... ہولی — D. A. 5369
لے گئے ہیں یار نرالے .... ہندی گیت

ولایت بیگم کی آواز کا کیا کہنا سبحان اللہ ۔ آپ نے وہ درد بھری سُریلی رسیلی اور کٹیلی مزیدار آواز پائی ہے کہ بے اختیار جی چاہتا ہے کہ آپکے گانے کو سُنتے ہی جائے ۔ ہر عاشق ترنم و موسیقی موصوفہ کی ترنم ریزیوں

گزشتہ اپریل ۱۹۳۸ء ریلیز

YOUNG INDIA

ہندوستانی اور اردو گانوں کے ریکارڈز

Hindustani Records	ہندوستانی ریکارڈز
Blue Label Rs. 1-8-0	نیلا لیبل قیمت عہ
Manohar Kapur & Vatsalabai	منوہر کپور اور وتسلابائی کمٹھیکر

D A. 5367

پریم نگر میں جانا پگلے .... ڈوئٹ

ایک پجاری ایک پجارن .... "

ماسٹر منوہر کپور آف پنجاب اور وتسلابائی کمٹھیکر مغنیہ دکھن دونوں نہایت مشہور گوئیے ہیں۔ جن کی تعریف بار بار انہیں صفحات میں آ چکی ہے۔ مذکورہ بالا ریکارڈ انہیں دونوں کی کاوشوں کا نتیجہ ہے۔ مزید تعریف فضول ہے۔ ہمارے شائقین خود جانتے ہیں کہ ع مشک آنست کہ خود ببوید۔

प्रभात फिलम कंपनीकी

फिल्मके हींदी और मराठी गाने बहोत जलदीही आप

यंग इन्डीया रेकार्डझमें सुनेंगे

स्पेशीयल लेबल कि. रू. २—४—०

जयश्री फिल्म कंपनीकी

नंद–कुमार

फिल्मके हींदी और मराठी गाने

यंग ईन्डीया रेकॉर्डझमें

शीघ्र सुनो

एम पी ५५१ — एम पी ५५२ (हींदी)

एम पी ५५३ — एम पी ५५४ (मराठी)

स्पेशीयल लेबल किं. रू २—४—०

New Reliance Printing Works, Fort, Bombay.